an>

Title: Regarding plight of daughters of differently-abled persons.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली): अध्यक्षा जी, आपने मुझे एक बहुत ही सेंसिटिव विषय पर बोलने के लिए मौका दिया है, इसलिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।...(व्यवधान)

महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान 'दिव्यांग व्यक्तियों का आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण कन्याओं के विवाह की समस्या' पर आकर्षित करना चाहता हूं।...(व्यवधान) जैसा कि विदित है कि भारत में 1981 का वर्ष 'विकलांग वर्ष' के रूप में मनाया गया था। भारत में लगभग ढाई करोड़ से अधिक लोग विकलांगता से जूझ रहे हैं, जो कुल जनसंख्या का 2.13 प्रतिशत हिस्सा हैं। इनमें से 75 प्रतिशत दिव्यांग व्यक्ति ग्रामीण इलाकों में रहते हैं तथा सिर्फ 34 प्रतिशत को ही रोजगार प्राप्त होता है।...(व्यवधान)

देश में सरकार ने एससी, एसटी तथा पिछड़ी जातियों के सामाजिक उत्थान के लिए कई कार्य किए हैं, जिनसे उनकी सामाजिक स्थिति दिन-प्रतिदिन सुधरती जा रही है। दिव्यांग व्यक्ति किस तरह की परिस्थितियों में अपना जीवन-यापन करते हैं, इसका अनुभव तो स्वयं उन्हें ही होता है। ऐसी स्थिति में हमारा भी यह दायित्व है कि दिव्यांग व्यक्तियों की यथासंभव मदद की जाए- जैसे हम जरूरतमंद, निराश्रित, विधवा, परिव्यक्ता अथवा तलाकशुदा महिलाओं की कन्याओं के विवाह के लिए शादी अनुदान योजना उपलब्ध कराते हैं, वैसे ही दिव्यांग व्यक्तियों की कन्याओं के विवाह के लिए कुछ करना चाहिए, क्योंकि वे कुछ कर नहीं पाते हैं, वे गरीब हैं। उनकी बच्चियों के शादी के लिए सरकार की तरफ से ऐसी व्यवस्था बनायी जाए, जिससे समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न करवाए जाए, क्योंकि दिव्यांग भी हमारे समाज के उतने ही आवश्यक अंग हैं, जितने की समाज के अन्य लोग हैं।...(व्यवधान)

अत: सदन के माध्यम से मेरा निवेदन है कि केन्द्र तथा राज्य सरकार इस प्रकार का कोई कानून लाएं, जिससे दिव्यांग व्यक्तियों को जो 30-40 परसेंट से ऊपर है, सरकार उनकी कन्याओं की शादी के लिए आर्थिक मदद दिलवाने का कष्ट करें।...(व्यवधान)

महोदया, मैं निवेदन करूंगा, यहां राहुल गांधी और खड़गे साहब बैठे हुए हैं, अगर उनको राफेल पर बोलना है, तो वे चर्चा करें। वे क्यों डरते हैं? अगर वे चर्चा करेंगे, तो पता लग जाएगा कि चोर कौन है और शाह कौन है।...

(व्यवधान) खड़गे साहब, आपको यही जानकारी नहीं है, पहले राहुल जी से पूछ लीजिए, राफेल की कीमत क्या है? कोई 520 करोड़ रुपये बताता है, कभी 670 करोड़ रुपये बताया जाता है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री गणेश सिंह,

श्री शिवकुमार उदासि,

डॉ. संजय जायसवाल और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री रमेश बिधूड़ी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।